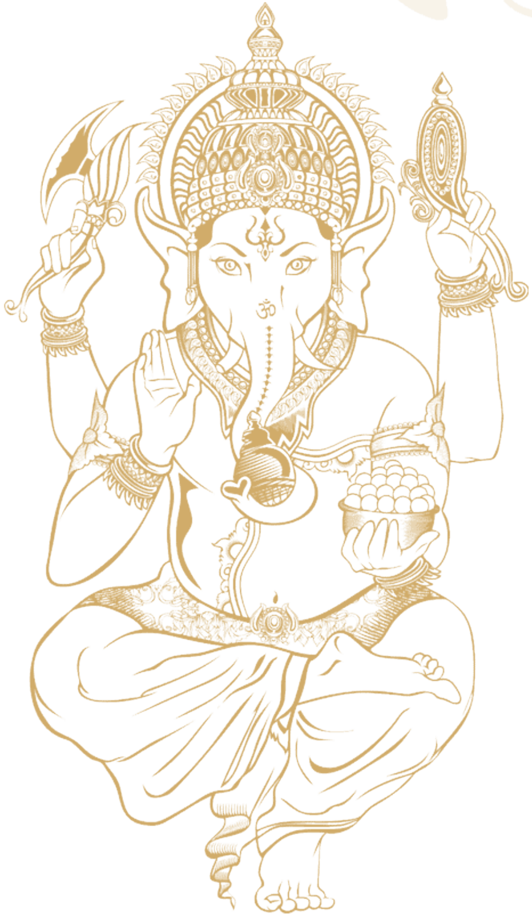

Yuvraj

21 Sep 1985

10:30 AM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120996804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/09/1985**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	10:54:47 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:09:44 घंटे
वेलान्तर	00:06:50 घंटे
साम्पातिक काल	10:09:49 घंटे
सूर्योदय	06:08:05 घंटे
सूर्यास्त	18:18:16 घंटे
दिनमान	12:10:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:30:22 कन्या
लग्न के अंश	00:26:43 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	आयुष्मान
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चिक	00:26:43	306:45:02	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	04:30:22	00:58:40	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			धनु	01:15:41	13:53:13	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			सिंह	13:24:19	00:37:57	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	03:07:51	01:50:23	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	उच्च राशि
गुरु	व		मक	13:42:28	00:02:22	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	नीच राशि
शुक्र			सिंह	05:14:14	01:12:56	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	शत्रु राशि
शनि			वृश्चिक	00:20:25	00:04:59	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
राहु			मेष	16:21:47	00:00:39	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			तुला	16:21:47	00:00:39	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			वृश्चिक	20:40:13	00:01:29	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	07:12:50	00:00:18	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	09:36:19	00:02:04	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	06:43:31	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:16

लग्न-चलित

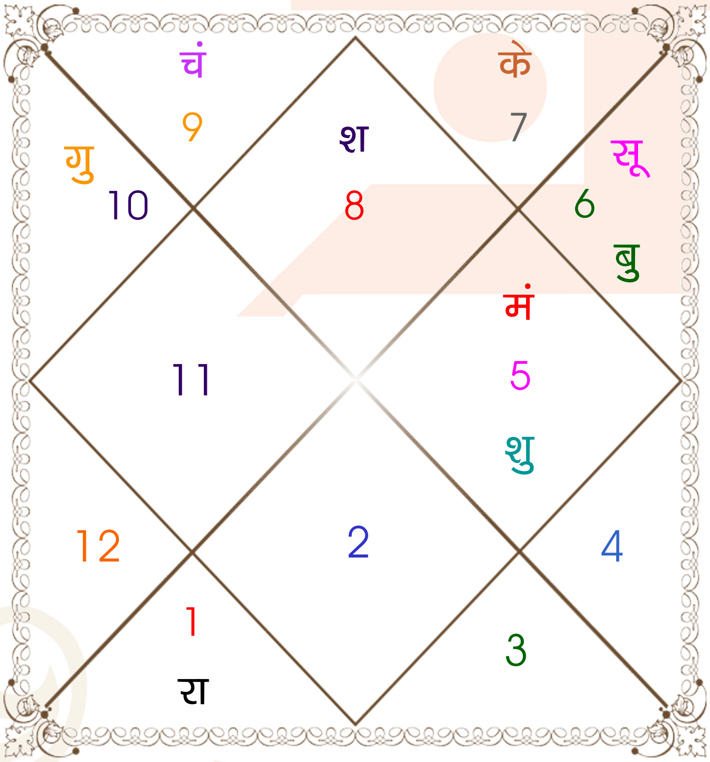

चन्द्र कुंडली

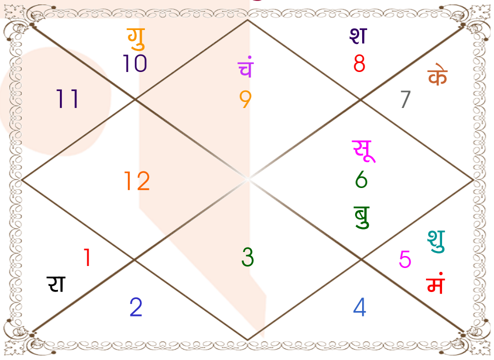

नवमांश कुंडली

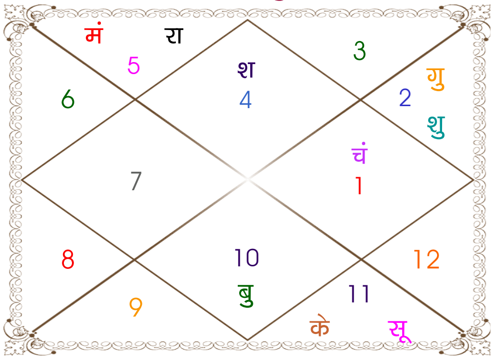

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 4 मास 1 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/09/1985		23/01/1992		23/01/2012		22/01/2018		23/01/2028	
23/01/1992		23/01/2012		22/01/2018		23/01/2028		23/01/2035	
	21/09/1985	शुक्र	24/05/1995	सूर्य	11/05/2012	चंद्र	23/11/2018	मंगल	20/06/2028
शुक्र	20/08/1986	सूर्य	24/05/1996	चंद्र	10/11/2012	मंगल	24/06/2019	राहु	08/07/2029
सूर्य	26/12/1986	चंद्र	22/01/1998	मंगल	18/03/2013	राहु	23/12/2020	गुरु	14/06/2030
चंद्र	27/07/1987	मंगल	24/03/1999	राहु	10/02/2014	गुरु	24/04/2022	शनि	24/07/2031
मंगल	23/12/1987	राहु	24/03/2002	गुरु	29/11/2014	शनि	23/11/2023	बुध	20/07/2032
राहु	10/01/1989	गुरु	22/11/2004	शनि	11/11/2015	बुध	23/04/2025	केतु	17/12/2032
गुरु	17/12/1989	शनि	23/01/2008	बुध	16/09/2016	केतु	22/11/2025	शुक्र	16/02/2034
शनि	26/01/1991	बुध	23/11/2010	केतु	22/01/2017	शुक्र	24/07/2027	सूर्य	24/06/2034
बुध	23/01/1992	केतु	23/01/2012	शुक्र	22/01/2018	सूर्य	23/01/2028	चंद्र	23/01/2035

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/01/2035		22/01/2053		22/01/2069		23/01/2088		23/01/2105	
22/01/2053		22/01/2069		23/01/2088		23/01/2105		00/00/0000	
राहु	05/10/2037	गुरु	12/03/2055	शनि	26/01/2072	बुध	20/06/2090	केतु	21/06/2105
गुरु	28/02/2040	शनि	23/09/2057	बुध	05/10/2074	केतु	18/06/2091	शुक्र	22/09/2105
शनि	04/01/2043	बुध	29/12/2059	केतु	14/11/2075	शुक्र	18/04/2094		00/00/0000
बुध	24/07/2045	केतु	04/12/2060	शुक्र	13/01/2079	सूर्य	22/02/2095		00/00/0000
केतु	11/08/2046	शुक्र	05/08/2063	सूर्य	26/12/2079	चंद्र	23/07/2096		00/00/0000
शुक्र	11/08/2049	सूर्य	24/05/2064	चंद्र	27/07/2081	मंगल	21/07/2097		00/00/0000
सूर्य	06/07/2050	चंद्र	23/09/2065	मंगल	05/09/2082	राहु	07/02/2100		00/00/0000
चंद्र	05/01/2052	मंगल	29/08/2066	राहु	12/07/2085	गुरु	16/05/2102		00/00/0000
मंगल	22/01/2053	राहु	22/01/2069	गुरु	23/01/2088	शनि	23/01/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।